भारत के व्यापार समझौतों से टेक्सटाइल और फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र को नए अवसर

प्रजातंत्र संवाददाता | इंदौर

ब्रिकवर्क रेटिंग्स की 'मेड फॉर भारत – कस्टमर इम्पैक्ट सीरीज' के इंदौर संस्करण में विशेषज्ञों ने देश के व्यापक आर्थिक परिदृश्यट पर चर्चा की। इस दौरान बताया गया कि यूरोपीय संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ हाल ही में घोषित व्यापार समझौतों से भारत के लिए नए निर्यात अवसर खुल रहे हैं और इससे देश के प्रमुख क्षेत्रों की आगे की दिशा तय हो रही है।

देश की आर्थिक स्थिति का उल्लेख करते हुए ब्रिकवर्क रेटिंग्स के सीईओ मनु सहगल ने कहा, "भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। वित्त वर्ष 2026 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि लगभग 7.4% रहने का अनुमान है, जबकि वित्त वर्ष 2027 में यह 6.8 से 7.2% के उच्चव स्तर पर बने रहने की संभावना है। इसकी मुख्य वजह मजबूत घरेलू मांग, नरम मौद्रिक नीति और यूरोपीय संघ तथा अमेरिका के साथ हाल ही में हुए व्यापार समझौते हैं। भारत में महंगाई में तेज गिरावट आई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक के मध्यम अवधि के लक्ष्य से काफी नीचे बनी हुई है। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में कमी और आपूर्ति से जुड़े कदमों ने इसमें मदद की है। महंगाई के इस अनुकूल माहौल ने रिजर्व बैंक को नरम मौद्रिक रुख अपनाने का अवसर दिया है। इसमें रेपो दर में कई बार कटौती भी शामिल है, जिससे कारोबारियों और निर्यातकों के लिएपूंजी जुटानापहले की तुलना में अधिक सुलभ हुआ है।" इस पृष्ठभूमि में ब्रिकवर्क रेटिंग्स ने भारत के नए व्यापार समझौतों की अहमियत पर जोर दिया। क्राइटेरिया, मॉडल डेवलपमेंट एंड रिसर्च के प्रमुख राजीव शरण ने कहा, ''भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के तहत यूरोपीय संघ के लगभग 90% उत्पादों पर लगने वाले आयात शुल्क में तत्काल राहत मिलेगी। टेक्सटाइल और परिधान क्षेत्र कोजीरो-ड्यूटीपहुंच मिलेगी। इसके साथ ही सेवा क्षेत्र को और खोलने तथा टिकाऊ विकास से जुड़े मानकों के आधार पर बाजार तक पहुंच जैसे प्रावधान लंबे समय में और बड़े फायदे की राह तैयार करते हैं।